Dabang Dunia (Indore), 09th December 2021, Page-2

तीसरे साल भी ऑनलाइन क्लासेस नए वैरिएंट को देखकर लिया निर्णय

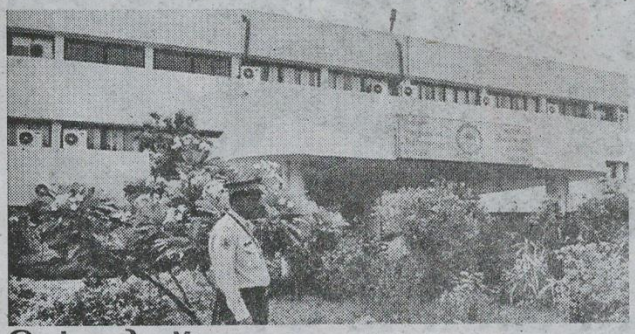

दिसंबर से ऑफलाइन क्लासेस लगाने वाले आईआईटी में अब ऑनलाइन क्लासेस

इंदौर » सिटी रिपोर्टर

कोरोना की महामारी में आए नए वैरिएंट का असर शैक्षणिक संस्थानों पर साफ पड़ता नजर आ रहा है। दिसंबर से ऑफलाइन क्लासेस शुरू करने वाले इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) ने कोरोना की तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए फिलहाल ऑनलाइन क्लासेस संचालित करने का निर्णय लिया है। अब आगे की स्थिति को देखते हुए ही विद्यार्थियों को कक्षाओं में बुलाने का निर्णय लिया जाएगा।

राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में नए वैरिएंट ओमिक्रोन के मरीजों की पुष्टि हुई है। हालांकि अभी प्रदेश में कोई मरीज नहीं मिला है। आईआईटी के अनुसार उसने ऑफलाइन क्लासेस शुरू करने की पूरी तैयारी कर ली थी। क्लासेस में विद्यार्थियों को बैठाने और होस्टल में रहने की व्यवस्था भी कर ली गई थी, लेकिन विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी तरह की रिस्क नहीं लेने के कारण ऑनलाइन क्लासेस ही संचालित करने का निर्णय लिया है। जो विद्यार्थी होस्टल में आ चुके हैं, उन्हें भी कहा गया है कि वे भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। आईआईटी ने अपने प्रोफेसर्स, कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा है कि वे भी अपना बचाव करने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखें। सुरक्षाकर्मियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि बाहर व्यक्ति को बिना मास्क और कोरोना गाइडलाइन के पालन के बिना अंदर नहीं आने दिया जाए। खासकर मैस की सुविधा में काम करने वाले कर्मचारियों को विशेष हिदायत दी गई है। यह लगातार तीसरा साल होगा, जब आईआईटी जैसे संस्थान में एडमिशन लेने वाले नए विद्यार्थी ऑफलाइन क्लासेस में पढ़ नहीं पाएंगे। कई विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जो अभी तक घर पर हैं और परिसर में नहीं पहुंचे थे, उन्हें भी अब घर पर रहकर ही पढ़ाई जारी रखनी होगी।

संक्रमण की चिंता में कॉलेजों ने शुरू की पहल

ओल्ड जीडीसी के बाद जीएसीसी-होलकर कैम्पस में भी प्रवेश के लिए वैक्सीन के दोनों डोज अनिवार्य

इंदौर » सिटी रिपोर्टर

ओल्ड जीडीसी में एक महिला प्रोफेसर के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अब दूसरे कॉलेजों ने भी सख्ती दिखाना शुरू कर दी है। इसके बाद होलकर साइंस कॉलेज ने और अब प्रदेश के सबसे बड़े अटलबिहारी वाजपेयी शासकीय आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज (जीएसीसी) ने कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए कालेज के विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से वैक्सीन के दोनों डोज के प्रमाण-पत्र जमा कराने के लिए कहा है।

अब दोनों डोज के सर्टिफिकेट जमा करने वालों को ही कैम्पस में प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को गूगल फार्म जारी कर वैक्सीन की जानकारी देने के लिए कहा गया है। जीएसीसी मैनेजमेंट के अनुसार विभिन्न कोर्सेस में करीब पांच हजार विद्यार्थी यहां अध्ययनरत हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं किया जा सकता है। सभी विद्यार्थियों को वैक्सीन लगवाने के लिए कहा गया है और जल्द इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। इस तरह की कोशिश शासकीय होलकर साइंस कालेज भी विद्यार्थियों के दूसरे डोज के प्रमाण पत्र चेक कर रहा है। जिन विद्यार्थियों ने अब तक वैक्सीन नहीं लगाई है, उन्हें कॉलेज नहीं आने की सलाह दी जा रही है। होलकर साइंस कालेज में भी करीब पांच हजार विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इन दोनों कालेजों के होस्टल भी भर गए हैं और कई विद्यार्थी इनमें रह रहे हैं। ऐसे में भीड़ न लगाने की समझाइश विद्यार्थियों को दी जा रही है।

बाहरी व्यक्तियों से भी ली जा रही जानकारी

बाहरी व्यक्तियों से भी परिसर में प्रवेश के समय वैक्सीन के दोनों डोज की जानकारी ली जा रही है और मास्क के बिना परिसर में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। कि बाहर के शहरों के भी कई विद्यार्थियों ने संस्थान में प्रवेश लिया है। प्रिंसीपल के अनुसार [illegible] विद्यार्थियों [illegible] वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके हैं और [illegible] सभी विद्यार्थियों को वैक्सीन प्रमाण पत्र [illegible] और 100 फीसद विद्यार्थी [illegible]